No of Printed page / Q : 07 /14

O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Half Yearly Examination (2019– 2020)

Class: XI MM: 80

Subject: Hindi Time: 3;00Hrs.

Name: _____ Class / Section: _____ Roll No.:_____

(Fifteen Minutes Extra will be given for reading the Question Paper.)

सामान्य निर्देश :–

1–इस प्रश्न पत्र में तीन खण्ड हैं–'क' ,'ख' ,और 'ग'।

2–तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3–प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।

4–उत्तर पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्न–पत्र में दी गई है।

5–निर्धारित समय सीमा 3:15 घण्टे हैं।

खण्ड–'क'

प्र0 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उससे संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

शिक्षा जीवन के सर्वांगीण विकास हेतु अनिवार्य है। शिक्षा के बिना मनुष्य विवेकशील और शिष्ट नहीं बन सकता। शिक्षा ही मानव को मानव के प्रति मानवीय भावनाओं से पोषित करती है। शिक्षा से मनुष्य अपने परिवेष के प्रति जागृत होकर कर्तव्यविमुख हो जाता है। निर्बल की सहायता करना, दुखियों के दुख दूर करने का प्रयास करना, दूसरों के दुःख से दुखी हो जाना और दूसरों के सुख से स्वयं से सुख का अनुभव करना जैसी बातें एक शिक्षित मानव में सरलता से देखने को मिल जाती है।

इतिहास, साहित्य राजनीतिशास्त्र,समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र इत्यादि पढ़कर विद्यार्थी विद्वान ही नही बनता, वरन उसमें एक विशिष्ट जीवन दृष्टि, रचनात्मक और परिपक्वता का सृजन होता है। आज शिक्षा का अर्थ बदल रहा है। शिक्षा भौतिक आकांक्षा की चेरी (दासी) बनती जा रही है। व्यावसायिक शिक्षा के अंधानुकरण में छात्र सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं। रूस की क्रांति, फ्रांस की क्रांति, अमेरिकी क्रांति, समाजवाद, पूँजीवाद, राजनीतिक व्यवस्था, सांस्कृतिक मूल्यों आदि की सामान्य जानकारी भी व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को नहीं है। यह शिक्षा का विशुद्ध रोज़गारकरण है।

शिक्षा के प्रति इस प्रकार का संकुचित दृष्टिकोण अपनाकर विवेकशील नागरिकों का निर्माण नहीं किया जा सकता। भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा रोज़गार का साधन न होकर साध्य हो गई है। इस कुप्रवृत्ति पर अंकुश लगना आवश्यक है। जहाँ मानविकी के छात्रों को पत्रकारिता, साहित्य–सृजन, विज्ञापन, जनसंपर्क इत्यादि कोर्स भी कराए जाने चाहिए ताकि उन्हें रोजगार के लिए भटकना न पड़े, वहीं व्यावसायिक कोर्स करने वाले छात्रों को मानविकी के विषय, जैसे इतिहास, साहित्य, राजनीतिशास्त्र, दर्शन आदि का थोड़ा बहुत अध्ययन अवश्य करना चाहिए ताकि समाज को विवेकशील नागरिक प्राप्त होते रहें, तभी समाज में संतुलन बना रह सकेगा।

क) शिक्षा जीवन के सर्वांगीण विकास हेतु अनिवार्य क्यों है ? स्पष्ट कीजिए। (2)

ख) शिक्षा से मनुष्य के जीवन में किस प्रकार का परिवर्तन आता है ? (2)

ग) निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय तथा मूलशब्द अलग करके लिखिए ? (1)

अ) सांस्कृतिक ब) विवेकशील

घ) "शिक्षा भौतिक आकांक्षा की चेरी बनती जा रही है" इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। (2)

ङ) व्यावसायिक शिक्षा पर जोर देने से कौन–कौन से सामाजिक दोष उत्पन्न हो रहे हैं ? (2)

च) प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक लिखिए। (1)

प्र0 2 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पुछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (1x6=6)

हरी–हरी वह घास उगाती है
फसलों को लहलहाती है
फूलों में भरती रंग
पेड़ों को पाल पोस–कर ऊँचा करती
पत्ते–पत्ते में रहे जिंदा हरापन
अपनी देह को खाद बनाती है
धरती इसीलिए माँ कहलाती है।
पानी से तर है सब
नदियाँ, पोखर, झरने और समुंदर
ज्वालामुखी हजारों फिर भी
सोते धरती के अंदर
जैसा सूरज तपता आसमान में
धरती के भीतर भी दहकता है
गोंद में लेकिन सबको
साथ झुलाती है
धरती इसीलिए माँ कहलाती है।
आग पानी को सिखाती साथ रहना।
हर बीज सीखता इस तरह उगना
एक हाथ फसले उगाकर
सबको खिलाती है
दूसरे हाथ सृजन का
सह अस्तित्व का
एकता का पाठ पढ़ाती है
धरती इसीलिए माँ कहलाती है।

(क) 'अपनी देह को खाद बनाती है' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ?

(ख) कवि ने धरती के अंदर सूर्य के होने की कल्पना क्यों की है ?

(ग) धरती किस तरह का पाठ पढ़ाती है ?

(घ) धरती माँ क्यों कहलाती है ?

ङ) कवि पेड़ों को पाल पोस–कर ऊँचा क्यों करना चाहता है ?

च) **'सूरज'** शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

अथवा

जाग रहे हम वीर जवान,
जियो, जियो ऐ हिंदुस्तान ।

हम प्रभात की नई किरण हैं, हम दिन के आलोक नवल,

हम नवीन भारत के सैनिक, धीर, वीर, गंभीर, अचल ।

हम प्रहरी ऊँचे हिमाद्रि के, सुरभि स्वर्ग की लेते हैं,

हम हैं शांति–दूत धरणी के, छाँह सभी को देते हैं ।

वीरप्रसू माँ की आँखों के, हम नवीन उजियाले हैं,

गंगा, यमुना, हिंद महासागर के हम ही रखवाले हैं ।

तन, मन, धन, तुम पर कुर्बान,

जियो, जियो ऐ हिंदुस्तान ।

हम सपूत उनके, जो नर थे, अनल और मधु के मिश्रण,

जिनमें नर का तेज प्रखर था, भीतर था नारी का मन ।

एक नयन संजीवन जिनका, एक नयन था हालाहल,

जितना कठिन खड्ग था कर में, उतना ही अंतर कोमल ।

थर–थर तीनों लोक काँपते थे जिनकी ललकारों पर,

स्वर्ग नाचता था रण में जिनकी पवित्र तलवारों पर ।

हम उन वीरों की संतान,

जियो जियो ऐ हिंदुस्तान ।

क) 'नवीन भारत' से क्या तात्पर्य है ?

ख) 'हम उन वीरों की संतान' उन पूर्वज वीरों की कुछ विशेषताएँ लिखिए ।

घ) 'वीर प्रसू माँ' किसे कहा गया है ? क्यों ?

घ) काव्यांश का केंद्रीय भाव संक्षेप में लिखिए ।

ङ) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

च) वीर सैनिक किसकी रखवाली करते हैं ?

खण्ड 'ख'

प्र03 नीचे दिए गए दृश्य से देखिए और दृश्य को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए , जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध दृश्य से होना चाहिए। (5)

अथवा

नीचे दिए गए दृश्य को ध्यान से देखिए और दृश्य को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध दृश्य से होना चाहिए।

प्र0 4 एक प्रतिष्ठित इंग्लिश नेशनल पब्लिक स्कूल में शिक्षक के पद के लिए आवश्यक स्ववृत्त का प्रारूप लिखिए। (5)

अथवा

रायगढ़ पब्लिक लाइब्रेरी में पुस्तकालय सहायक के लिए आवेदन–पत्र लिखिए।

प्र05 आपके घर के बाहर खड़ी आप की साइकिल चोरी हो गई। उसकी रिपोर्ट थाने में लिखित रूप में दीजिए। (3)

अथवा

अपने विद्यालय के सचिव की ओर से ' जल संरक्षण' पर प्रदर्शनी के लिए कार्यकारिणी समिति की बैठक हेतु कार्यसूची तैयार कीजिए।

प्र0 6 **निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए –** **(1X4=4)**

क) भारत में सबसे पहला प्रिंटिंग प्रेस कब और कहाँ खोला गया ?

ख) फ्री–लांसर पत्रकार किसे कहते हैं ?

ग) टी वी लोकप्रिय माध्यम क्यों हैं ?।

घ) सबसे पहला समाचार वादक कौन है ?

ङ) समाचार की भाषा शैली कैसी होनी चाहिए ?

प्र0 7 शब्दकोष का अर्थ बताते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए। (3)

अथवा

शब्दकोश को भिन्नताओ के आधार पर कितने भागों में वर्गीकृत किया गया है ?

खण्ड–'ग'

प्र0 8 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उससे संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–(2X3=6)**

पग घुंघरू बांधि मीरा नाची,
मैं तो मेरे नारायण सूं , आपहि हो गई साची
लोग कहै , मीरा भइ बावरी, न्यात कहै कुल–नासी
विस का प्याला राणा भेज्या, पीवत मीरां हाँसी
मीरां के प्रभु गिरधर नागर, सहज मिले अविनासी

क) कृष्ण भक्ति का मीरा पर क्या प्रभाव पड़ा ?

ख) कृष्ण के प्रति प्रेम के कारण मीरा को क्या–क्या अत्याचार सहने पड़े ?

ग) 'मैं तो मेरे नारायण सूं , आपहि हो गई साची ' पंक्ति के माध्यम से कवियत्री क्या कहना चाहती है ?

अथवा

चंपा सुंदर की लड़की है
सुंदर ग्वाला है : गायें–भैंसें रखता है
चंपा चौपायों को लेकर
चरवाही करने जाती है
चंपा अच्छी है
चंचल है
न ट ख ट भी है
कभी–कभी ऊधम करती है
कभी–कभी कलम चुरा लेती है
जैसे–जैसे उसे ढूँढ़कर जब लाता हूँ
पाता हूँ – अब कागज़ गायब
परेशान फिर हो जाता हूँ

क) चंपा रोज़ कौन–सा काम करती है ?

ख) काव्यांश के अनुसार चंपा का व्यवहार कैसा है ?

ग) कवि त्रिलोचन कभी–कभी चंपा से क्यों परेशान हो जाता है ?

प्र0 9–निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से दो के उत्तर लिखिए– **(3X2=6)**

बिका दिया घर द्वार ,
महाजन ने न ब्याज की कौड़ी छोड़ी,
रह–रह आँखों में चुभती वह
कुर्क हुई बरधों की जोड़ी!
उजरी उसके सिवा किसे कब
पास दुहाने आने देती ?
अह , आँखों में नाचा करती
उजड़ गई जो सुख की खेती!

क) प्रस्तुत काव्यांश का भाव सौंदर्य बताइए।

ख) काव्यांश का शिल्प–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

ग) उजड़ गई जो सुख की खेती! पंक्ति को किस प्रतीक के रूप में प्रयोग किया गया है ?

प्र0 10–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(2X2=4)**

क) कबीर पाखंडी गुरुओं के संबंध में क्या टिप्पणी करते हैं ?

ख) कवि त्रिलोचन चंपा को पढ़ने के लिए किस प्रकार प्रेरित करता है ?

ग) 'घर की याद' कविता में पिता के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं को उकेरा गया है ?

प0 11 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उससे संबंधित पूछे गए प्रश्नों उत्तरलिखिए– **(1X1+2X3=7)**

इस बार बंबई में उतरकर माइ लॉर्ड ! आपने जो इरादे जाहिर किए थे, जरा देखिए तो उनमें से कौन–कौन पूरे हुए ? आपने कहा था कि यहाँ से जाते समय भारत को ऐसा कर जाऊँगा कि मेरे बाद आने वाले बड़े लाटों को वर्षों तक कुछ करना न पड़ेगा, वे कितने ही वर्षों सुख की नींद सोते रहेंगे, किंतु बात उलटी हुई। आपको स्वयं इस बार बेचैनी उठानी पड़ी है और इस देश में जैसी अशांति आप फैला चले हैं, उसके मिटाने में आपके पद पर आने वालों को न जाने कब तक नींद और भूख हराम करने पड़ेगी। इस बार आपने बिस्तरा गरम राख पर रखा है और भारतवासियों को गरम तवे पर पानी की बूँदों की भाँति नचाया है। आप स्वयं भी खुश न हो सके और यहाँ की प्रजा को सुखी न होने दिया, इसका लोगों के चित्त पर बड़ा ही दुःख है।

क) भारत पहुँचने पर लॉर्ड कर्जन ने अपनी कौन–सी इच्छा प्रकट की ?

ख) लॉर्ड कर्जन के कार्यों का क्या परिणाम हुआ है ?

ग) भारतवासी किस कारण दुःखी है ?

घ) लॉर्ड कर्जन द्वारा किए गए वादे किस प्रकार विपरीत पड़ गए ?

अथवा

मोहन के प्रति थोड़ी बहुत ईर्ष्या रहने पर भी धनराम प्रारंभ से ही उसके प्रति स्नेह और आदर का भाव रखता था। इसका एक कारण शायद यह था कि बचपन से ही मन में बैठा दी गई जातिगत हीनता के कारण धनराम ने कभी मोहन को अपना प्रतिद्वंद्वी नहीं समझा, बल्कि वह इसे मोहन का अधिकार ही समझता रहा था।

बीच–बीच में त्रिलोक सिंह मास्टर का यह कहना कि मोहन एक दिन बहुत बड़ा आदमी बनकर स्कूल का और उनका नाम ऊँचा करेगा, धनराम के लिए किसी और तरह से सोचने की गुंजाइश ही नहीं रखता था और धनराम ! वह गाँव के दूसरे खेतिहर या मजदूर परिवरों के लड़कों की रतह किसी प्रकार तीसरे दर्जे तक ही स्कूल का मुँह देख पाया है।

क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

ख) धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वंद्वी क्यों नहीं मानता था ।

ग) त्रिलोक सिंह मास्टर ने मोहन के बारे में क्या घोषणा की थी ?

घ) धनराम की नियति क्या थी ?

प्र0 12–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(3X3=9)**

क) पंडित अलोपीदीन दारोगा के पास क्यों गए थे और उन्होंने उससे क्या कहा ?

ख) लेखिका कृष्णा सोबती मियाँ नसीरुद्दीन के पास क्यों गई थी ?

ग) शिवशंभू की दो गायों की कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है ?

घ) 'नमक का दारोगा' कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

प्र0 13 निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। **(4)**

क) भारतीय गायिकाओं में बेजोड़ : लता मंगेशकर पाठ के आधार पर लता के गायन की बिशेषताएँ बताइए।

ख) राजस्थान की रजत बूँदे पाठ में किस समस्या की ओर संकेत किया गया है ? यह पाठ आपको क्या संदेश देता है ?

प्र0 14 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(4X2=8)**

क) राजस्थान में कुई का निर्माण प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक बताइए।

ख) 'चित्रपट संगीत ने लोगों के कान बिगाड़ दिए'– अक्सर यह आरोप लगाया जाता रहा है। इस संदर्भ में कुमार गंधर्व की राय और अपनी राय लिखें।

ग) राजस्थान में कुईं किसे कहते हैं ? इसकी गहराई और व्यास तथा सामान्य कुओं की गहराई और व्यास में क्या अंतर है ?